एम॰ ए॰ हिन्दी – प्रथम सत्र
(दूरस्थ प्रणाली)

सत्रीय कार्य

2019–20

दूरस्थ शिक्षा एवं अधिगम केन्द्र
जामिया मिल्लिया इस्लामिया
मौलाना मौहम्मद अली जौहर मार्ग
नई दिल्ली – 110025

विद्यार्थी असाइंमेंट

सत्रीय कार्य – 2019-20

निर्देश

विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है कि वे निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और उनका अनुसरण करें।

- प्रत्येक छमाही/अर्धवार्षिक कार्यक्रम के हर पाठ्यक्रम का एक पूर्ण असाइंमेंट प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

- पूर्ण असाइंमेंट, निर्धारित असाइंमेंट पुस्तिकाओं में स्वयं विद्यार्थी द्वारा अथवा डाक द्वारा स्टडी सेंटर/प्रोग्राम कॉर्डिनेटर, सी.डी.ओ.एल. में जमा करना अनिवार्य है।

- असाइंमेंट पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर विद्यार्थी अपना नाम, रोल नम्बर एवं अन्य जानकारी आवश्यकता के अनुसार लिखें।

- अपने असाइंमेंट की प्रतिलिपि अपने रिकॉर्ड हेतु विद्यार्थी अपने पास रखें।

- विद्यार्थी अपने जाचे गए असाइंमेंट प्राप्त करने हेतु अपने स्टडी सेंटर/प्रोग्राम कॉर्डिनेटर से सम्पर्क में रहें।

- कृपया अपनी कार्यक्रम निर्देशिका का अध्ययन ध्यान पूर्वक करें।

एम॰ए॰ (हिन्दी) , प्रथम सत्र 2019–20

पाठ्यक्रम – 1: हिन्दी साहित्य का इतिहास (DMLH-101)

(कुल अंक 25)

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2 x 12.5 = 25

1. हिन्दी साहित्येतिहास के काल विभाजन एवं नामकरण की समस्याओं का विश्लेषण कीजिए।
2. भक्ति आंदोलन के क्रमिक विकास को स्पष्ट कीजिए।
3. हिन्दी नवजागरण के क्षेत्र में भारतेंदु का क्या योगदान है ? स्पष्ट कीजिए।
4. छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों को उदाहरण सहित समझाइए।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए।

1. रासो काव्य
2. ज्ञानमार्गी काव्यधारा
3. दरबारी संस्कृति और रीति काव्य
4. खड़ी बोली गद्य का विकास।

पाठ्यक्रम – 2: मध्यकाल–1 (DMLH-102)

(कुल अंक 25)

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2 x 12.5 = 25

1. भक्तिकाव्य की सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की चर्चा कीजिए।
2. भक्ति आंदोलन को हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है ? समीक्षा कीजिए।
3. संत काव्य और सूफी काव्य में अन्तर स्पष्ट कीजिए।
4. भक्तिकाव्य के शिल्प पक्ष पर विस्तार से लिखिए।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए।

1. कबीर की भाषा
2. रामभक्ति काव्य
3. कृष्ण भक्ति काव्य
4. मीराबाई।

पाठ्यक्रम – 3: मध्यकाल–2 (DMLH-103)

(कुल अंक 25)

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2 x 12.5 =25

1. रीतिकालीन काव्य सामंती संस्कृति का काव्य है। समीक्षा कीजिए।
2. रीतिकाव्य की विभिन्न धाराओं का विश्लेषण कीजिए।
3. रीतिकाव्य की भाषा का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिए।
4. रीतिकालीन सौन्दर्यबोध का मूल्यांकन कीजिए।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए।

1. घनानन्द और प्रेम
2. रहीम और नीति
3. बिहारी और श्रृंगारिकता
4. ओजस्वी कवि भूषण।

पाठ्यक्रम – 4: कबीर (घ) (DMLH-104) (कुल अंक 25)

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2 x 12.5=25

1. कबीर के काव्य की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।
2. कबीर के काव्य में निहित सामाजिक चेतना के स्वरूप की चर्चा कीजिए।
3. 'कबीर वाणी के डिक्टेटर थे।' इस मत का मूल्यांकन कीजिए।
4. कबीर के भक्ति दर्शन का विश्लेषण कीजिए।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए।

1. कबीर की उलटबाँसियां
2. दलित विमर्श और कबीर
3. कबीर और नारी
4. कबीर की दार्शनिकता

पाठ्यक्रम – (CBCS): समकालीन कथा साहित्य (DMLHX-11) (कुल अंक 25)

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2 x 12.5=25

1. समकालीनता की अवधारणा पर विचार कीजिए।
2. 'त्रिशुल' के प्रमुख पात्रों की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।
3. मंजुल भगत के उपन्यास 'अनारो' में व्यक्त नारी संवेदना को रेखांकित कीजिए।
4. 'सलाम' में निहित दलित चेतना को स्पष्ट कीजिए।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए।

1. स्मकालीन उपन्यास और समाज
2. 'त्रिशुल' का शिल्प विधान
3. स्वयं प्रकाश और पार्टीशन
4. 'अंतराल' की कथावस्तु